प्राक्कथन

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय आरएनआई के नाम से जाना जाता है। 1 जुलाई, 1956 को अपनी स्थापना के बाद से ही यह देश भर के दैनिक समाचारपत्रों तथा पत्र–पत्रिकाओं के प्रकाशकों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। एक राष्ट्र के रूप में हमें इस बात का गर्व है कि भारत में पिछले करीब सात दशकों में प्रकाशन उद्योग सशक्त होता गया है जिससे साक्षरता दर में और अधिक वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

देश में मुद्रित माध्यम के बारे में वार्षिक रिपोर्ट का संकलन करना प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867 की धारा 19(छ) के तहत आरएनआई का वैधानिक दायित्व है। केंद्र सरकार को हर साल प्रस्तुत की जाने वाली 'भारत के समाचारपत्र' नाम की रिपोर्ट देश में प्रिंट मीडिया परिदृश्य का विस्तृत विश्लेषण है। 1957 से अब तक आरएनआई ने इस तरह की 63 रिपोर्ट प्रकाशित की हैं और मुझे 'भारत के समाचारपत्र' की 64वीं रिपोर्ट आपको भेंट करते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है। इसमें प्रकाशकों द्वारा आरएनआई को भेजे गए वार्षिक विवरणों में प्रदर्शित आंकड़ों के आधार पर अखबारों की प्रसार संख्या के स्वरूप पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।

आरएनआई अपनी विभिन्न सेवाओं के डिजिटाइजेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वार्षिक विवरणों को ऑनलाइन जमा कराने की शुरुआत 2014 से हुई और यह बड़ी सफल साबित हुई है। वर्ष 2019–20 में 32,883 पंजीकृत प्रकाशनों ने अपने विवरण भेजे। हम हर साल अधिक से अधिक संख्या में प्रकाशकों को वार्षिक विवरण ऑनलाइन जमा कराने को प्रोत्साहित करते हैं।

वार्षिक विवरणों की ई–फाइलिंग की प्रक्रिया के क्रियान्वयन में सफलता से प्रोत्साहित होकर अब शीर्षक के लिए आवेदन करने तथा पंजीयन के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया भी चल रही है। इसके अलावा जो अन्य सेवाएं पहले से चली आ रही हैं। उनमें शीर्षक सत्यापन और पंजीयन आवेदनों की ताजा स्थिति का ऑनलाइन पता लगाने की सुविधा, मौजूदा शीर्षकों और डी–ब्लॉक किए गए शीर्षकों की सूची, विभिन्न आवेदनों के बारे में एसएमएस और ई–मेल के जरिए ताजा स्थिति की जानकारी देना तथा पंजीयन प्रमाणपत्र ऑनलाइन डाउनलोड करने की सुविधा शामिल है। आईटी आधारित साधनों से विभिन्न कार्यों को सुगम बनाने की प्रक्रिया के तहत इस साल आरएनआई ने आगंतुकों के लिए ऑनलाइन टोकन उपलब्ध कराने की प्रणाली भी कायम की है। शिकायत निस्तारण प्रणाली को और त्वरित तथा चुस्त–दुरुस्त बनाने की नई सुविधा के तहत आगंतुक देश में किसी भी स्थान से आरएनआई की वेबसाइट www.rni.nic.in पर उपलब्ध सुविधा के जरिए अपने लिए समय ले सकते हैं। डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान कार्यालय की प्रणाली में बड़ी संख्या में प्रकाशनों के होने का पता चला। इससे आरएनआई के डेटाबेस में 2018–19 और 2019–20 के दौरान पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या 1,19,995 से बढ़कर 1,43,423 हो गई।

हमें पूरी आशा है कि यह रिपोर्ट प्रिंट मीडिया, मीडिया विश्लेषकों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी और वे इससे देश में प्रिंट मीडिया के बारे में विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त कर सकेंगे। हमें आशा है प्रकाशन के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक लोगों के लिए भी 'भारत के समाचारपत्र' मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

मुझे आरएनआई अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रसन्नता हो रही है जिन्होंने समय पर 'भारत के समाचारपत्र 2019–20' को प्रकाशित कराने के लिए कार्य किया। माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अमित खरे और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के प्रति भी मैं आभारी हूं जिन्होंने इस कार्य में निरंतर सहायता और दिशानिर्देश प्रदान किए। मैं आरएनआई के अपने पूर्ववर्तियों के प्रति भी आभारी हूं जिन्होंने इतनी वृहद् रिपोर्ट के सुचारू रूप से संकलन के लिए प्रणाली कायम की।

(मोनीदीपा मुखर्जी)

प्रेस पंजीयक

खंड–I

इस रिपोर्ट के लिए सूचनाओं का स्रोत प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867 की धारा 19(घ) के अंतर्गत पंजीकृत प्रकाशनों (समाचारपत्र और पत्रिकाएं) के प्रकाशकों द्वारा ई–फाइल किए गए वार्षिक विवरण हैं। कुल 1,43,423 पंजीकृत प्रकाशनों में से 32,883 प्रकाशकों ने वर्ष 2019–20 के लिए 31 मार्च, 2020 तक अपने वार्षिक विवरण ऑनलाइन जमा कराए थे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया देखें : www.rni.nic.in

विषय सूची

खंड–I

पृष्ठ सं.

भूमिका **1**

अध्याय 1

सामान्य समीक्षा **9**

दैनिक प्रकाशनों का विश्लेषण । आवधिकों का विश्लेषण । भाषावार विश्लेषण । राज्यवार विश्लेषण । प्रसार का स्वरूप । प्रसार के स्तर । स्वामित्व । विषय सामग्री । सरकारी प्रकाशन । पंजीकृत प्रकाशन । विविध प्रकाशन

अध्याय 2

पंजीकृत प्रकाशनों का विश्लेषण **14**

नए प्रकाशनों का स्वरूप । बंद हो चुके प्रकाशन । दैनिक । आवधिक । भाषावार विश्लेषण । राज्यवार विश्लेषण । सघनता । आंकिक विश्लेषण । भाषावार विश्लेषण । दीर्घावधि

अध्याय 3

2019–20 में वार्षिक विवरण जमा करने वाले प्रकाशन **37**

दैनिक । आवधिक । भाषावार विश्लेषण । राज्यवार विश्लेषण । सघनता । भाषावार विश्लेषण । आंकिक विश्लेषण

अध्याय 4

प्रकाशनों का प्रसार **48**

दैनिक । आवधिक । भाषावार प्रसार । राज्यवार प्रसार । भाषा और राज्यवार प्रसार । वितरण का स्वरूप । प्रसार का स्वरूप । औसत प्रसार । केंद्रवार प्रसार । प्रसार का स्तर

अध्याय 5

प्रकाशनों का स्वामित्व **64**

आवधिकतावार । भाषावार । राज्यवार । प्रसार संख्यावार । साझा स्वामित्व

अध्याय 6

दैनिक प्रकाशन **519**

भाषावार विश्लेषण । प्रसार संख्यावार विश्लेषण । प्रकाशन केंद्र । राज्यवार विश्लेषण । प्रकाशनों की कार्यप्रणाली । संवाददाता । रिपोर्टर । संपादकीय कर्मचारी । अन्य कर्मचारी । विज्ञापन । सरकारी विज्ञापन । पृष्ठ, पृष्ठों का आकार और मूल्य । विज्ञापन के लिए स्थान । घरेलू और विदेशी समाचार

अध्याय 7
साप्ताहिक और अन्य आवधिक **547**

भाषावार । राज्य/केंद्रशासित प्रदेशवार । विषयवस्तु । सरकारी प्रकाशन । केंद्र सरकार के प्रकाशन । राज्य सरकार के प्रकाशन । सर्वाधिक प्रसार वाला सरकारी प्रकाशन

अध्याय 8
प्रेस का भाषावार अध्ययन **566**

असमिया । बांग्ला । बोडो । डोगरी । गुजराती । हिंदी । कन्नड़ । कश्मीरी । कोंकणी । मैथिली । मलयालम । मणिपुरी । मराठी । नेपाली । उड़िया । पंजाबी । संस्कृत । संथाली । सिंधी । तमिल । तेलुगू । उर्दू । अंग्रेजी । द्विभाषिक । बहुभाषिक । अन्य भाषाएं

अध्याय 9
राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में प्रेस **588**

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह । आंध्र प्रदेश । अरुणाचल प्रदेश । असम । बिहार । चंडीगढ़ । छत्तीसगढ़ । दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव । दिल्ली । गोवा । गुजरात । हरियाणा । हिमाचल प्रदेश । जम्मू और कश्मीर । झारखंड । कर्नाटक । केरल । लक्षद्वीप । लद्दाख । मध्य प्रदेश । महाराष्ट्र । मणिपुर । मेघालय । मिज़ोरम । नागालैंड । ओडिशा । पुद्दुचेरी । पंजाब । राजस्थान । सिक्किम । तमिलनाडु । तेलंगाना । त्रिपुरा । उत्तराखंड । उत्तर प्रदेश । पश्चिम बंगाल

अध्याय 10
विविध प्रकाशन **651**

भाषावार विश्लेषण । आवधिक । राज्यवार विश्लेषण । प्रसार

इस रिपोर्ट में इस्तेमाल किए गए शब्दों और संक्षिप्ताक्षरों की परिभाषाएं

समाचारपत्र :	कोई भी मुद्रित आवधिक जिसमें सार्वजनिक समाचार या समाचारों पर टिप्पणियां छपती हों। (लेकिन अध्ययन के उद्देश्य से 'प्रकाशन' शब्द का उपयोग सभी प्रकार की मुद्रित पत्र–पत्रिकाओं के लिए किया गया है, चाहे उनकी आवधिकता कुछ भी हो)।
प्रसार :	हर प्रकाशन दिवस पर बिकने और वितरित की जाने वाली प्रतियों की औसत संख्या।
बड़े प्रकाशन :	हर प्रकाशन दिवस पर 75,000 से अधिक प्रसार वाले प्रकाशन।
मझोले प्रकाशन :	हर प्रकाशन दिवस पर 25,001 से 75,000 के बीच प्रसार वाले प्रकाशन।
छोटे प्रकाशन :	हर प्रकाशन दिवस पर 25,000 तक प्रसार वाले प्रकाशन।
आवधिकता :	प्रकाशन के दो अंकों के बीच का अंतराल (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक और वार्षिक आदि)।
अन्य आवधिक :	दैनिक, द्वि/त्रि–साप्ताहिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक के अलावा कोई आवधिकता।
प्रसार का दावा :	वह प्रसार संख्या जिसका दावा प्रकाशक प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867 के अंतर्गत जमा कराए गए अपने वार्षिक विवरण में कर रहा है।
स्वीकृत प्रसार :	प्रेस पंजीयक द्वारा सत्यापित प्रसार।
साझा स्वामित्व इकाइयां :	प्रकाशन प्रतिष्ठान जो दो या अधिक समाचारपत्रों के स्वामी हैं जिनमें से कम से कम एक दैनिक है।
पीआरबी अधिनियम :	समय–समय पर संशोधित प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867।

सारणियों में प्रयुक्त संक्षिप्त शब्द

समाचारपत्रों का वर्गीकरण

समाचार एवं सामयिक मामले (न्यूज एंड करेंट अफेयर्स)	एनसीए
धर्म एवं दर्शन (रिलिजन एंड फिलॉसफी)	आरएपी
साहित्य एवं संस्कृति (लिटरेरी एंड कल्चर)	एलएसी
वाणिज्य एवं उद्योग (कॉमर्स एंड इंडस्ट्री)	सीएआई
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (मेडिसिन एंड हेल्थ)	एमएएच
फिल्में (फिल्म्स)	एफआईएल
समाज कल्याण (सोशल वेलफेयर)	एसओडब्ल्यू
श्रम (लेबर)	एलएबी
शिक्षा (एजुकेशन)	ईडीयू
विधि एवं लोक प्रशासन (लॉ एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन)	एलएपी
अभियांत्रिकी एवं तकनीक (इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी)	ईएटी
कृषि एवं पशुपालन (एग्रीकल्चर एंड एनिमल हसबैंड्री)	एएएच
बाल (चिल्ड्रन)	सीएचआई
परिवहन एवं संचार (ट्रांसपोर्ट एंड कम्यूनिकेशन)	टीएसी
बीमा, बैंकिंग एवं सहकारिता (इंश्योरेंस, बैंकिंग एंड को–ऑपरेशन)	आईबीसी
विज्ञान (साइंस)	एससीआई
वित्त एवं अर्थशास्त्र (फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स)	एफएई
महिला (वूमन)	डब्ल्यूओएम
कला (आर्ट्स)	एआरटी
रेडियो एवं संगीत (रेडियो एंड म्यूजिक)	आरएएम
खेल (स्पोर्ट्स)	एसपीओ
अवर्गीकृत (अनक्लासिफाइड)	यूएनसी
विद्यालय व महाविद्यालय पत्रिकाएं (स्कूल कॉलेज मैगजीन्स)	एससीएम
बाजार रिपोर्ट एवं बुलेटिन (मार्केट रिपोर्ट्स एंड बुलेटिन्स)	एमआरबी

समाचारपत्रों का स्वामित्व

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (पब्लिक लिमिटेड कंपनी)	पीयूबी
निजी क्षेत्र की कंपनी (प्राइवेट लिमिटेड कंपनी)	पीवीटी
व्यक्तिगत (इंडिविजुअल)	आईएनडी
फर्म अथवा भागीदारी (फर्म ऑर पार्टनरशिप)	एफओपी
न्यास (ट्रस्ट)	टीआरयू
समिति अथवा संस्था (सोसायटी ऑर असोसिएशन)	एसओए
राजनीतिक दलों के अंग (ऑर्गन ऑफ पॉलिटिकल पार्टीज)	ओपीपी
शैक्षणिक संस्थान (एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस)	ईडीआई

2019–20 में भारतीय प्रेस की मुख्य बातें

(31 मार्च, 2020 तक की स्थिति)

1.	**पंजीकृत प्रकाशनों की कुल संख्या** i) समाचारपत्र श्रेणी (दैनिक, द्वि / त्रि–साप्ताहिक) ii) पत्र–पत्रिका श्रेणी (अन्य आवधिकता वाले)	:	1,43,423
2.	**2019–20** के दौरान **पंजीकृत** नए प्रकाशनों की संख्या	:	1,498
3.	**2019–20** के दौरान **बंद** किए गए प्रकाशनों की संख्या	:	105
4.	किसी भी भारतीय भाषा में पंजीकृत प्रकाशनों की **सर्वाधिक संख्या – हिंदी**	:	54,873
5.	हिंदी के अतिरिक्त, किसी भी अन्य भाषा में पंजीकृत प्रकाशनों की **दूसरी सर्वाधिक संख्या– अंग्रेजी**	:	19,766
6.	पंजीकृत प्रकाशनों की **सर्वाधिक संख्या वाला राज्य – उत्तर प्रदेश**	:	21,022
7.	पंजीकृत प्रकाशनों की **दूसरी सर्वाधिक संख्या वाला राज्य – महाराष्ट्र**	:	19,631
8.	**वार्षिक विवरण** प्रस्तुत करने वाले प्रकाशनों की संख्या (इस आंकड़े में 203 विविध प्रकाशन भी शामिल हैं)	:	32,883
9.	**2019–20 के दौरान प्रकाशनों द्वारा किया गया कुल प्रसार का दावा**	:	43,99,29,769
	i) हिंदी प्रकाशन	:	20,14,33,695
	ii) अंग्रेजी प्रकाशन	:	5,32,08,297
	iii) मराठी प्रकाशन	:	3,47,59,281
	iv) उर्दू प्रकाशन	:	2,62,41,593
10.	किसी भी भारतीय भाषा में वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने वाले प्रकाशनों की सर्वाधिक संख्या – **हिंदी**	:	16,111
11.	किसी भी भारतीय भाषा में वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने वाले प्रकाशनों की दूसरी सर्वाधिक संख्या – **मराठी**	:	2,573
12.	सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला दैनिक – **"आनंद बाजार पत्रिका"**, कोलकाता से प्रकाशित बांग्ला दैनिक	:	10,72,342
13.	दूसरी सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला दैनिक – **"हिन्दुस्तान टाइम्स"**, दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेजी दैनिक	:	8,95,982
14.	सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला अंग्रेजी दैनिक – **"हिन्दुस्तान टाइम्स"**	:	8,95,982
15.	सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला बहु–संस्करण दैनिक – **"दैनिक भास्कर"**, हिंदी (59 **संस्करण**)	:	50,64,204
16.	दूसरी सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला बहु–संस्करण दैनिक – **"द टाइम्स ऑफ इंडिया"**, अंग्रेजी (34 **संस्करण**)	:	40,20,386
17.	मलयालम भाषा की सर्वाधिक प्रसार संख्या वाली पत्रिका – **"वनिता"**, पाक्षिक, कोट्टयम	:	4,26,469
18.	**टाइटल हेतु प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या**	:	11,977
	i) स्वीकृत टाइटल	:	3,273
	ii) रोक मुक्त (डीब्लॉक) किए गए टाइटल	:	2,104
19.	दैनिक प्रकाशनों की **सर्वाधिक संख्या वाली भाषा – हिंदी**	:	4,322